No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-2

01391

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** काव्यांशो की व्याख्या कीजिए **12x3=36**

(क) तुम सत्य रहे चिर सुन्दर!
मेरे इस मिथ्या जग के
थे केवल जीवन संगी
कल्याण कलित इस मग के।

(ख) हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार -
शस्य अपार
हिल-हिल,
खिल-खिल,
हाथ हिलाते,
तुझे बुलाते
विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते।

(ग) देर तक टकराए
उस दिन इस आँखों से वे पैर
भूल नहीं पाऊँगा फटी बिवाइयाँ
खुब गई दूधिया निगाहों में
धँस गई कुसुम-कोमल मन में

(घ) अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने ही होंगे।
तोड़ने ही होंगे मठ और गढ़ सब।
पहुँचना होगा दुर्गम पहाड़ों के उस पार
तब कहीं देखने मिलेंगी हमको
नीली झील की लहरीली थाहें
जिनमें कि प्रतिपल काँपता रहता
अरूण कमल एक
हँसता ही होगा
झील के हिम-शीत सुनील जल में।
जादुई झील को करनी ही होगी मेरी प्रतीक्षा।

(च) एक आदमी
रोटी बेलता है
एक आदमी रोटी खाता है
एक तीसरा आदमी भी है
जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है।
वह सिर्फ रोटी से खेलता है।
मैं पूछता हूँ -
'यह तीसरा आदमी कौन है?'
मेरे देश की संसद मौन है।

2. हिन्दी नवजागरण के विकास में भारतेन्दु हरिशचन्द्र के योगदान का परिचय दीजिए। 16

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की कविता 'राष्ट्रीयता' के भावों को किन रूपों में व्यक्त करती है? विश्लेषण कीजिए।

3. सुमित्रानंदन पंत की काव्यभाषा का वैशिष्ट्य उद्घाटित कीजिए। 16

अथवा

'उर्वशी' में दर्शन और काव्य के परस्पर-संबंध का विवेचन कीजिए।

4. 'जन-कवि' के रूप में नागार्जुन के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए। 16

अथवा

'शमशेर की कविता में अनुभूति की विविधता है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

5. **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8x2=16

(क) छायावाद।

(ख) महादेवी और रहस्य-भावना।

(ग) 'अस्त्रध्य वीणा' का प्रतिपाद्य।

(घ) साठोत्तरी भावबोध और श्रीकांत वर्मा।